

- (५) 'शं नो वरुणः ।' ध्येयवाक्यनो अर्थ आपो.
 (5) 'शं नो वरुणः ।' Give the meaning of the ध्येयवाक्य.
 (५) 'शं नो वरुणः ।' ध्येयवाक्य का अर्थ बताइए ।
 (६) 'ज्योतिर्ब्रणीत तमसो विजानन ।' ध्येयवाक्यमां 'तमस' शब्दनो अर्थ आपो.
 (6) Give the meaning of the word 'तमस' in the objective sentence 'ज्योतिर्ब्रणीत तमसो विजानन ।'
 (६) 'ज्योतिर्ब्रणीत तमसो विजानन ।' ध्येयवाक्य में 'तमस' शब्द का अर्थ बताइए ।
 (७) भर्तृहरिना त्रण शतककाव्यना नाम लओ.
 (7) Write the names of three Shatakakavya (शतककाव्य) of Bhatrihari.
 (७) भर्तृहरि के तीन शतककाव्यों के नाम लिखिए ।

प्रश्न-२. (अ) अर्थ विस्तार करो. (कोईपणु ओ)	०८
Que. 2.(A) Expand the meaning, (any two)	०८
प्रश्न (अ) अर्थ विस्तार कीजिए । (किन्हीं दो)	०८
(१) पावका नः सरस्वती ।	
(२) उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत ।	
(३) श्रुतं मे गोपाय ।	
(४) सत्यमेव जयते ।	
(ब) अर्थ विस्तार करो. (कोई पणु ओक)	०५
(B) Expand the meaning, (any one)	०५
(ब) अर्थ विस्तार कीजिए ।	०५
(१) योगः कर्मसु कौशलम् ।	
(२) उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।	
प्रश्न-३. 'संस्कृत' शब्दनो अर्थ आपी, संस्कृत भाषानी उत्पत्ति अने विकास वर्णवो.	१३
Que. 3. Give the meaning of the word "Sanskrit", describe the origin and development of the Sanskrit language.	13
प्रश्न-३. 'संस्कृत' शब्द का अर्थ बताते हुए, संस्कृत भाषा की उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिए ।	१३

अथवा / OR / अथवा

प्रश्न-३.	विद्यानो अर्थ आपी, चार वेदविद्या विशे विस्तारथी लखो.	१३
Que. 3.	Give the meaning of vidya, Write in detail about the four VedaVidyas.	13
प्रश्न-३.	विद्याका अर्थ बताते हुए, चारों वेदविद्याओं के बारे में विस्तार से लिखिए ।	१३
प्रश्न-४.	टूंक नोंध लखो. (कोरुपणु भे)	१४
Que. 4.	Write a short note. (any two)	14
प्रश्न-४.	संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । (किन्हीं दो)	१४
(१)	महाभारत-अेक महाकाव्य	
(1)	Mahabharata-an epic poem	
(१)	महाभारत - एक महाकाव्य	
(२)	कलानुं महत्व.	
(2)	Importance of art.	
(२)	कला का महत्व ।	
(३)	‘सत्यं वद धर्मं चर’। अने ‘अतिथि देवो भव’।- ध्येय वाक्यमां व्यक्त थतो उपदेश.	
(3)	‘सत्यं वद धर्मं चर’। and ‘अतिथि देवो भव’।- A Sermon expressed in a goal sentence.	
(३)	‘सत्यं वद धर्मं चर’। और ‘अतिथि देवो भव’।-ध्येयवाक्य में व्यक्त उपदेश ।	
(४)	भगवद्गीताना ध्येयवाक्योमां व्यक्त थतो कर्मनो महिमा.	
(4)	The glorification of karma expressed in the goal sentences of the Bhagavad Gita.	
(४)	भगवद् गीता के ध्येयवाक्यों में व्यक्त कर्म की महिमा ।	